(c) whether these items are also being sold through mobile outlets of Super Bazar; and

(d) if so, the details thereof and if not, •what are the reasons therefor and the steps to be taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE [MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION (SHRI KAMALUDDIN AHMED): (a) to (d) Only palmolein is sold under Public Distribution system, through all the retail outlets of Super Bazar, Delhi including its mobile vans.

Selling of shares of PSU(S)

*78. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the PRIME MINISTER, be pleased to state: ',

(a) whether Government's attention has been drawn to a news-item which appeared- in the Financial Express dated 10-4-1992 captioned "PSU Officers flay. move to sell 49 per cent shares";

(b) whether the National Confederation of Officers* Association of lie Central Public Sector Undertakings (NCOA) has expressed the view that holding of 51. per cent shares was a more fig leaf of Government control;

(c) whether it is a fact that no representatives of Labour/industry were consulted by Government in this regard; and

(d) if so, what is the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE EST THE MINISTRY OF INDUSTRY (SURI P. J. KURIEN): (a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) and (d) These decisions emerge from the statements in the new Industrial Policy and the Budget Speech made *in* Parliament on 24th July, 1991- Both these documents have been widely discussed in various forums, both inside and outside the Parliament, in which representatives of Labour/Industry also participated.

अच्छी किस्म के कोयले का उत्पादन

***79. डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :**
श्री राम जेटमलानी :

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 3 अप्रैल, 1992 के "फाइनेंशियल एक्सप्रेस" में "इन सर्च आफ क्वालिटी कोर" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) क्या सरकार द्वारा देश में उत्तम किस्म के कोयले के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कोई प्रयास किए जा रहे हैं; और

(ग) यदि हां, तो इस किस्म के कोयले के उत्पादन के लिए आगामी वर्षों के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी०ए० संगमा) : (क) जी, हां ।

(ख) सरकार, बेहतर गुणवत्ता वाले कोकिकर तथा अ-कोकिकर दोनों ही किस्म के कोयले के उत्पादन को बढ़ाने को सदैव महत्व देती रही है । कोकिकर कोयले (धुले और सीधे फीड दोनों) का उत्पादन 1991–92 के 10.06 मिलियन टन के स्तर से 1996–97 में 13.97 मिलियन टन तक बढ़ जाने की संभावना है । गुणवत्ता ग्रेड वाले अकोकिकर कोयले का उत्पादन 92 मि०टन के वर्तमान स्तर से आठवीं योजना के अंत तक 111 मि० टन तक बढ़ जाने का अनुमान है । उच्च ग्रेड वाले कोयले के उत्पादन को बढ़ाने के लिए कुछ निम्नलिखित उपाय किए जा रहे हैं: विद्यमान वाशरियों का आधुनिकीकरण, वाशरीज की विद्युत आपूर्ति को बढ़ाया जाना, वर्तमान भूमिगत खानों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए उनका आधुनिकीकरण, आठवीं और नौवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान उच्च